सजा दो शहर की हर गलियां मेरे घनश्याम आए है लिरिक्स

सजा दो शहर की हर गलियां,
मेरे घनश्याम आए है,
फैला दो हर तरफ खुशबु,
मेरे साहूकार आए है,
सजा दो शहर की हर गलियाँ,
मेरे घनश्याम आए है।bd।

तर्ज – सजा दो घर को गुलशन।

जमाने भर में चर्चे है,
हाँ इनकी रहनूमाई के,
हाँ इनकी रहनूमाई के,
जलाओ दीप ज्योति के.
मेरे श्री श्याम आए है,
सजा दो शहर की हर गलियाँ,
मेरे घनश्याम आए है।bd।

चमक चेहरे पे इतनी है,
की चमके चाँद सा मुखड़ा,
की चमके चाँद सा मुखड़ा,
नज़र इनको ना लग जाए,
मेरे दिलदार आए है,
सजा दो शहर की हर गलियाँ,
मेरे घनश्याम आए है।bd।

मेरे दिल की कहूं मैं क्या,
खुशी का ना ठिकाना है,
खुशी का ना ठिकाना है,
करूँ दीदार दिलबर के,
'चहल' दीदार पाए है,
सजा दो शहर की हर गलियाँ,
मेरे घनश्याम आए है।bd।

सजा दो शहर की हर गलियां,
मेरे घनश्याम आए है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

फैला दो हर तरफ खुशबु,
मेरे साहूकार आए है,
सजा दो शहर की हर गलियाँ,
मेरे घनश्याम आए है।bd।

Singer – Jaswinder Singh

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com